www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET Paper 3 June 27, 2010 Shift 1 Library and Information Science Question Paper

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. [| | | | | | |]
(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________
(In words)

J 5 9 1 0

Test Booklet No.

Time : 2 $^1/_2$ hours]

PAPER-III

[Maximum Marks : **200**

LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

www.prepp.in

LIBRARY & INFORMATION SCIENCE

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred** (200) marks containing **four** (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Online access to information promotes fulfilment of 3rd and 4th Law of Library Science. Discuss.
‘सूचना की ऑनलाइन पहुँच पुस्तकालय विज्ञान के तृतीय एवं चतुर्थ कानून के पालन को बढ़ावा देती है ।’ विवेचना कीजिये ।

OR / अथवा

What is a budget ? Discuss various budgeting techniques. Choose a budgeting technique for a university library with justification.
बजट क्या है ? विभिन्न बजटन तकनीकों की विवेचना कीजिये । विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के लिये बजटन तकनीक का चयन तर्कसंगति के साथ करें ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

2. Information literacy forms the basis for life long learning in contemporary society. Elucidate critically.
'समकालिक समाज में सूचना साक्षरता जीवन पर्यन्त ज्ञान का आधार बनाती है', आलोचनात्मक रूप से व्याख्या करें ।

OR / अथवा

What do you understand by Network Topology ? Explain Star and Bus topologies highlighting their distinguishing features.
नेटवर्क टॉपोलोजी से आप क्या समझते हैं ? स्टार एवं बस टॉपोलोजियों की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उनकी व्याख्या करें ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. What is Digital Divide ? How the libraries can bridge the gap between information haves and information havenots.

   डिजिटल डिवाइड क्या है ? सूचना सम्पन्न और सूचना विपन्न के बीच के अन्तराल को पुस्तकालय किस प्रकार भरते हैं ?

4. Discuss the emerging issues in copyright in the wake of electronic environment.

   इलेक्ट्रॉनिक वातावरण के परिणाम स्वरूप कॉपीराइट में उभरते मुद्दों की विवेचना कीजिये ।

5. State the importance of scientific method in research. Explain spiral of scientific method.

   शोध में वैज्ञानिक पद्धति का महत्त्व बताइए । वैज्ञानिक पद्धति के स्पाइरल की व्याख्या करें ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine** (9) questions of **ten** (10) marks, each to be answered in about **fifty** (50) words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Distinguish between Information Economics and Economics of Information.

सूचना अर्थशास्त्र और सूचना के अर्थशास्त्र के बीच भेद कीजिये ।

7. Describe the operation of Selective Dissemination of Information.
सूचना के चयनित प्रसार के प्रचालन की व्याख्या करें ।

8. How will you differentiate between 'Assigned Term Indexing' and 'Derived Term Indexing' ?
'असाइन्ड टर्म इनडेक्सिंग' और 'डिराइवड टर्म इनडेक्सिंग' के बीच आप किस प्रकार भेद करेंगे ?

9. What do you understand by Research Design ? Discuss its objectives and components.
शोध डिजाइन से आप क्या समझते हैं ? उसके उद्देश्यों और अवयवों की विवेचना कीजिये ।

www.prepp.in

10. What do you mean by Open Access Initiative ? Describe some recent developments in the area.

‘ओपन एक्सेस इनिशियेटिव’ से आप क्या समझते हैं ? इस क्षेत्र में हाल ही की कुछ घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

11. Differentiate between primary, secondary and tertiary sources of information with suitable examples.

सूचना के प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्रोतों के बीच भेद उपयुक्त उदाहरणों सहित करें ।

12. What is meant by information communication ? Briefly discuss the channels of information communication.

सूचना संचार का क्या अर्थ है ? सूचना संचार के चैनलों की संक्षेप में विवेचना कीजिये ।

13. Differentiate 'search tactics' and 'search strategies'. Explain different types of search strategies with examples.

'शोध युक्ति' और 'शोध रणनीतियों' के बीच भेद करें । भिन्न प्रकार की शोध रणनीतियों की उदाहरणों के साथ व्याख्या करें ।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

14. Librarian is now a cyberian. Briefly describe the emerging competencies in LIS profession.

पुस्तकालयाध्यक्ष अब साइबराध्यक्ष है । एल.आई.एस. व्यवसाय में उभरती सक्षमताओं का संक्षेप में वर्णन करें ।

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Wisdom is a state of the human mind characterized by profound understanding and deep insight. It is often, but not necessarily, accompanied by extensive formal knowledge. Unschooled people can acquire wisdom, and wise people can be found among the common class of people. Wherever it exists, wisdom exhibits itself as a perception of the relativity and relationships among things. It is an awareness of wholeness that does not lose sight of particularity or concreteness, or of the intricacies of interrelationships. It signifies the ideal blending of the left and right hemispheres of

Prepp
Your Personal Exams Guide

the human brain resulting in a perfect synergy of logic and practicality. Wisdom cannot be confined to a specialized field, nor is it an academic discipline, it is the consciousness of wholeness and integrity that transcends both. The amount of knowledge that is available to the present generation is considerable. However, there has been no correlative increase in wisdom. There are several factors that contribute to wisdom. Some of these factors are the sense of proportion; the capacities to take account of all the important factors associated with a problem and understand its weightage. This has become more difficult owing to the extent and complexity of the specialized knowledge required by individuals from various disciplines.

Wisdom is needed not only for social purposes, but equally in private life. It is essential in determining the choice of ends to be pursued and in the process assure of liberation from personal prejudice. The essence of wisdom lies in viewing the world with impartiality and thereby contributing to the growth of the individual as well as the society at large. During the initial stages of progression from knowledge to wisdom, an individual is concerned only about his own physical condition. Gradually, with the years, an individual widens his/her horizon in proportion to his/her thoughts and feelings and in the process becomes less personal and less concerned with their own physical states, thereby achieving growing wisdom.

The question that is likely to emerge in the minds of the readers at this point of time is whether wisdom can be taught. Wisdom in some degree can be taught. This teaching should have a larger intellectual element than has been customary in what is been thought of as moral instruction. The kind of specialized knowledge which is required for various kinds of skill has very little to do with wisdom. But it should be supplemented in education by wider surveys calculated to put it in its place in the total of human activities. With increase of knowledge and skill, wisdom becomes more necessary.

बुद्धिमत्ता मानवीय मस्तिष्क की एक अवस्था है और गूढ समझ एवं गहन अन्त:दृष्टि इसकी विशिष्टताएँ हैं । यह प्राय:, परन्तु अनिवार्यतया नहीं, विस्तृत औपचारिक ज्ञान के साथ साथ चलती है । वे लोग, जो कभी स्कूल भी नहीं गए, बुद्धिमत्ता को अर्जित कर सकते हैं और सर्व-सामान्य वर्ग के लोगों के बीच बुद्धिमान लोग पाये जा सकते हैं । बुद्धि मत्ता, जहाँ भी मौजूद होती है, वस्तुओं के बीच सापेक्षता और अन्तर-सम्बन्धों के बोध के रूप में प्रकट होती है । यह समग्रता की जागरूकता है जो विशिष्टता या स्थूलता को ओझिल नहीं होने देती । अन्तर-सम्बन्धों की पेचीदगियों को भी नहीं । यह मानवीय दिमाग के बाएँ और दाएँ गोलार्ध के आदर्श मिश्रण के महत्त्व को दर्शाती हैं जिससे यह तर्क एवं व्यावहारिकता की पूर्ण सह-क्रिया में फलीभूत होती है । बुद्धिमत्ता को किसी विशिष्ट क्षेत्र तक परिसीमित नहीं किया जा सकता और न ही यह कोई अकादमिक अनुशासन है; यह समग्रता एवं अखण्डता की चेतना है जो दोनों को पार कर जाती है । ज्ञान की मात्रा जो वर्तमान पीढ़ी को उपलब्ध है, पर्याप्त है । फिर भी, बुद्धिमत्ता में कोई सह-सम्बन्धित वृद्धि नहीं हुई । कई कारक हैं जो बुद्धिमत्ता में योगदान देते हैं । इनमें से कुछ कारक हैं जैसे अनुपात का बोध, किसी समस्या से जुड़े समस्त महत्त्वपूर्ण कारकों का ध्यान रखने और उनकी गहनता को समझने में है । यह और भी कठिन हो गया है क्योंकि विभिन्न अनुशासनों के व्यक्तियों में यह विशिष्ट ज्ञान की जटिलता एवं विस्तार की माँग करता है ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

बुद्धिमत्ता की केवल सामाजिक उद्देश्यों के लिए ही जरूरत नहीं होती, यह निजी जीवन के लिए भी चाहिए । यह जीवन के लक्ष्यों के निर्धारण करने के लिए अनिवार्य है और इस प्रक्रिया में वैयक्तिक पूर्वाग्रह से मुक्ति को यकीनी बनाता है । बुद्धिमत्ता का सार विश्व को निष्पक्ष भाव से देखने में है जिससे व्यक्ति और समाज की अभिवृद्धि में योगदान होता है । ज्ञान से बुद्धिमत्ता की उन्नति में प्रारम्भिक अवस्थाओं के दौरान, व्यक्ति अपनी शारीरिक स्थिति से ही सम्बंधित है । धीरे-धीरे वर्षों के बीतने पर, अपने क्षितिज को अपने विचारों और भावनाओं के अनुपात में विस्तृत करता है और इस प्रक्रिया में वह कम वैयक्तिक हो जाता है और उसे अपनी शारीरिक स्थितियों से सरोकार कम हो जाता है । जिससे उसमें बुद्धिमत्ता बढ़ती है ।

इस समय पाठकों के दिमाग में यह प्रश्न आता होगा कि क्या बुद्धिमत्ता सिखाई जा सकती है । बुद्धिमत्ता किसी सीमा तक सिखलाई जा सकती है । इस सिखलाई में, प्रथागत सिखलाई जिसे नैतिकता की सिखलाई कहा जाता है, और अधिक बौद्धिक तत्त्व होना चाहिए । इस प्रकार का विशिष्ट ज्ञान, जो विभिन्न प्रकार के कौशलों के लिए अपेक्षित है, उनका सम्बन्ध बुद्धिमत्ता से नहीं होता । परन्तु इसे शिक्षा के अन्तर्गत और अधिक सर्वेक्षणों से सम्पूर्ण किया जा सकता है, पर इनका ध्येय सम्पूर्ण मानवीय गतिविधियों में बुद्धिमत्ता को इसके स्थान पर रखना चाहिए । ज्ञान और कौशल के बढ़ने से बुद्धिमत्ता और अधिक आवश्यक हो जाती है ।

15. What is Wisdom ?
बुद्धिमत्ता क्या है ?

16. What are the factors that contribute to wisdom ?
कौन से कारक बुद्धिमत्ता में योगदान देते हैं ?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

17. What is the relationship between Wisdom and Knowledge ?
बुद्धिमत्ता और ज्ञान के बीच क्या सम्बन्ध है ?

18. What is the individual and social use of Wisdom ?
बुद्धिमत्ता का व्यक्तिगत और सामाजिक उपयोग क्या है ?

19. How can Wisdom be taught ?
किस प्रकार बुद्धिमत्ता सिखाई जा सकती है ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....